सुश्री उमा भारती भी शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि मनुष्य को तन और मन से सदैव स्वस्थ रहना चाहिए, जो आज के परिवेश में अत्यन्त महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ग्रामोदय मेला ही भारत का भविष्य है और हर विभाग को इस मेले से सीख लेते हुए मेले को गुरू बनाना चाहिए। नानाजी ने जो सपना देखा था वह अब व्यापक रूप ले चुका है। नानाजी भले ही शरीर से हमारे बीच न हों पर इस क्षेत्र के लोगों के मन में नानाजी सदैव बने रहेंगे। नानाजी जब जीवित थे, तब एक आत्मा थे अब वे सर्वव्यापी हो गए हैं। मैं नानाजी की बहुत लाड़ली थी। वे मुझमें हमेशा जीवित रहेंगे। सुश्री उमा भारती ने बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ का संदेश देते हुए कहा कि जितना खर्च आप बेटी की शादी में करते हैं, उतना खर्च आप बेटी की पढ़ाई में कर दीजिए। आपको शादी में ज्यादा खर्चा नहीं करना पड़ेगा। बेटी खुद आत्मनिर्भर हो जाएगी। ग्रामोदय मेले के समापन के दिन केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री विनय सहज्बुद्धे भी शामिल हुए। इस अवसर पर श्री तोमर ने कहा दीनदयाल शोध संस्थान की योजना से नानाजी की कर्मभूमि में यह विशाल मेला भली भाँति सज़्पन्न हुआ है। आजादी के बाद समग्र विकास की बातें होती रही हैं। सरकारों द्वारा प्रयास भी होते रहे, लेकिन महात्मा गॉधी, विनोवा भावे के समग्र ग्राम विकास के चिंतन को जनता के पहल एवं पुरुषार्थ के आधार पर साकार रूप नानाजी ने दिया। देश के कर्मठ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी नानाजी के बताये मार्ग के आधार पर देश को विकास की मुज़्यधारा में जोड़ने के व्यवहारिक प्रयास में सतत् लगे हुये हैं।

ग्रामोदय मेले में भारत के कई हिस्सों से सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देने आए इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र दिल्ली के 250 लोक कलाकारों ने बारी-बारी से सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर लोगों का मन मोहा। चित्रकूट में लोक